अवन्तिका कृषि अमृत

''त्रैमासिक कृषि तकनीकी संचार दिग्दर्शिका''

अंक-54 | कृषि विज्ञान केन्द्र, रा.वि.सि.कृ.वि.वि, उज्जैन | जनवरी-मार्च 2022

संरक्षक

डॉ. एस.के. राव

कुलपति

रा.वि.रा.सि.कृ.वि.वि.ग्वालियर

मार्गदर्शक

डॉ. वाय.पी. सिंह

संचालक विस्तार सेवाएँ

रा.वि.रा.सि.कृ.वि.वि.ग्वालियर

*

डॉ. एस.आर.के. सिंह

निदेशक अटारी

भा.कृ.अ.परिषद, जोन-9, जबलपुर

*

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक

डॉ. आर.पी. शर्मा

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख

सह संपादक

डॉ.श्रीमती रेखा तिवारी

(गृह वैज्ञानिक)

तकनीकी सहयोग

डॉ. सुरेन्द्र कुमार कौशिक

(वैज्ञानिक पौध प्रजनन)

डॉ.दिवाकर सिंह तोमर

(सस्य वैज्ञानिक)

श्री डी.के. सूर्यवंशी

(वैज्ञानिक पौध संरक्षण)

डॉ. मोनी सिंह

(वरि. तकनीकी अधिकारी)

श्रीमती गजाला खान

(वरि. तकनीकी अधिकारी)

श्री राजेन्द्र गवली

(तकनीकी अधिकारी)

संपादकीय...

कृषि विज्ञान केन्द्र के किसानों के हित में अनवरत् प्रयास...

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ...

भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारत गांवों का देश है, भारत की 65 प्रतिशत जनता कृषि पर आधारित है। बदलते मौसम, वातावरण व अन्य घटकों को ध्यान में रखते हुए कृषि में होने वाले विपरित परिणामों से बचाव हेतु तथा किसान भाईयों एवं बहनों की आर्थिक उन्नति हेतु कृषि के साथ अन्य व्यवसाय को अपनाने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र (रा.वि.सि.कृ.वि.वि.) द्वारा सतत् प्रयास किये जाते है। इन्हीं प्रयासों के अन्तर्गत संस्था द्वारा व्यवसाय हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते है। जो कि नि:शुल्क रहते है साथ ही सफलतापूर्वक प्रशिक्षण ग्रहण करने के पश्चात् प्रमाण-पत्र भी किये जाते है। कृषि विज्ञान केन्द्र में इसी तरह के चार व्यवसाईक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये जो कि ''मौसमी फल एवं सब्जियों में मूल्य संवर्धन'' जैविक खाद उत्पाद, जूट रेशे से उत्पाद तथा मशरूम उत्पादन के विषय पर बेरोजगार युवक एवं युवतियों के लिये स्वावलंबन कार्यक्रम आयोजित किये। बाकी ग्रामीण अंचल में भी युवा की स्वावलंबन सकें इसी उद्देश्य को साकार करने हेतु भविष्य में भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

इसी के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र में फसल विविधीकरण के अन्तर्गत गेहूँ और चने के साथ रायठा, सरसों, मैथी, बटला, अलसी आदि लगाकर भी किसान भाई आर्थिक उन्नति कर सकता है। नगद आय का स्त्रोत बना सकते है। खेती के साथ जोड़ व्यवसाय के रूप में डेयरी, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन, जैविक खाद्य आदि के माध्यम से भी अन्नदाता किसान भाई प्रगति के रास्ते खोल सकता है। कृषि विज्ञान केन्द्र का एकमात्र लक्ष्य है कि किसानों की सर्वांगिन उन्नति हो।

डॉ. आर.पी. शर्मा

विशेष स्वच्छता अभियान : फैमिली नेट वेसेल कंपोस्टिंग से खाद बनाने की विधि

आजादी के 75 वें वर्ष पूर्ण होने की उपलब्धि से ''भारत अमृत महोत्सव'' के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, रा.वि.सि.कृ.वि.वि. उज्जैन द्वारा डॉ. आर.पी. शर्मा प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख के मार्गदर्शन में 2 से 31 अक्टूबर तक विशेष राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान चलाया गया।

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत डॉ. रेखा तिवारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा किसान भाईयों एवं बहनों को ''नेट वेसेल कंपोस्टिंग'' द्वारा रसोई के कचरे को मूल्यवान खाद में बदलने की तकनीकी जानकारी दी गई, जिससे नेट वेसेल एक हरे रंग के नायलॉन के जाल से बना हुआ 90 से.मी. लंबाई और 35 से.मी. व्यास वाला होता है। जिसमें 10-15 किलो क्षमता वाली प्लास्टिक की टोकरी होती है। मात्र 30 दिनों में यह खाद खेत/किचन गार्डन में डालने के लिए तैयार हो जाती है।

डॉ. एस.के. कौशिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा प्रक्षेत्र अपशिष्ट से कम्पोस्ट बनाने की विधिक जानकारी दी। डॉ. डी.एस. तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा वेस्ट डी कम्पोस्ट से खेत के अपशिष्ट को खाद में परिवर्तित करने की विधिक जानकारी दी। श्री राजेन्द्र गवली, तकनीकी अधिकारी ने वर्मीकमपोस्ट से आय के विभिन्न स्त्रोत के बारे में बताया। डॉ. मौनी सिंह, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने परिसर में स्वच्छता से सेहत पर होने वाले सकारात्मक परिणामों के बारे में बताया। श्री डी.के. सूर्यवंशी वैज्ञानिक ने खेत में गाजरघास से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। स्वच्छता अभियान के तहत सरस्वती शिशु मंदिर में वृक्षारोपण का वृहद कार्यक्रम भी किया गया, जिसमें आम, आंवला, नींबू सहजन तथा फूलों के पौधें रोपित किये गये। उक्त कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर, प्रक्षेत्र परिसर, ग्राम सालाखेड़ी, कल्याणपुरा तथा गुराड़िया गुर्जर आदि गांवों में सफलतापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम से लगभग 600 किसान व किसान महिलाएं तथा छात्र-छात्राएं लाभांवित हुए। कार्यक्रम को यशस्वी बनाने में संस्था के श्रीमती गजाला खान, श्री अजय गुप्ता, श्रीमती सपना सिंह तथा श्रीमती रूचिता कनौजिया, कुं. काजल चौधरी का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम गैर सरकारी संस्था कृपा वेलफेयर सोसायटी की भी अहम भूमिका रही।

किसान महिला दिवस का आयोजन

कृषि हर महिलाओं के सर्वांगीण उत्थान हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र, रा.वि.सि.कृ.वि.वि. उज्जैन द्वारा दिनांक 15.10.2021 को ग्राम कल्याणपुरा में डॉ. आर.पी. शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख के मार्गदर्शन में ''किसान महिला दिवस'' का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में डॉ. रेखा तिवारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर तथा स्वावलंबी बनाने हेतु खेती के साथ अन्य व्यवसायों को अपनाने पर जोर दिया जैसे कि मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, फल परीक्षण, सिलाई, कढ़ाई आदि जिससे की आर्थिक उन्नति के साथ ही समाज में महिलाओं की छवी और भी प्रसंगणीय बन सके। नई पीढ़ी को पढ़ाई की तरफ रूझान के साथ कृषि के साथ आधुनिक तकनीकी को अपनाने की बात कहीं। डॉ. मौनी सिंह, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने महिलाओं के आर्थिक उन्नति में स्वयं सहायता समूह की भूमिका को विस्तृत से बताया। स्वयं सहायता समूह के जरिये विभिन्न व्यवसाय की शुरूआत ग्रामीण स्तर पर किस तरह कर सकते है। इसकी भी चर्चा की।

कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता रखी जिसे प्रथम रीना चंदेलवाल, द्वितीय सुनीता चांदेवाल तथा तृतीय सुनीता गोस्वामी विजेता को परितोष किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती प्रितकुंवर बैरागी-आगंनवाड़ी कार्यकर्ता के कुपोषण निर्मूलन में सराहनीय कार्य करने के उपलक्ष्य में शाल श्रीफल से सत्कार किया गया। कार्यक्रम में कुल 22 महिलायें उपस्थित तथा किशोरी बालिकाएं उपस्थित रही कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के कर्मचारियों तथा अधिकारियों का विशेष सहयोग रहा।

विश्व खाद्य दिवस

दि. 16 अक्टूबर 2021 को डॉ. आर.पी. शर्मा संस्था प्रमुख के मागदर्शन में विश्व खाद्य दिवस कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रशिक्षण कक्ष में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम की महत्ता तथा विश्व में भूखमरी जैसे महामारी से बचाव हेतु किये जाने वाले प्रयासों के बार में डॉ. रेखा तिवारी द्वारा बताया गया। डॉ. एस.के. कौशिक द्वारा किसानों को अधिक उत्पादन हेतु नयी प्रजातियों को अपनाने पर जोर दिया। श्री राजेन्द्र गवली ने अधिक उपज के लिये मृदा संरक्षण के बारे में बताया गया। जैविक खाद्य को बढ़ावा देने की बात कहीं। कार्यक्रम में कुल 101 लाभार्थी लाभान्वित हुये जिनमें 59 किसान तथा 42 किसान महिलायें समाहित थी।

विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस

दि. 5.12.2021 को ग्राम खलाना तहसील घट्टिया में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस सफलतापूर्वक डॉ. आर.पी. शर्मा संस्था प्रमुख के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। डॉ. शर्मा में खेती को सुदृढ़ करने के लिये मृदा को संरक्षित करने की बात कही जिसमें नरवाई ना जलाकर उसे कम्पोस्ट में परिवर्तित करने की समझाईश दी। श्री राजेन्द्र गवली ने जैविक खाद के सदुपयोग के बारे में बताया साथ ही नाड़ेप तथा वर्मी कम्पोस्ट के बारे में विस्तृत से बताया। ग्राम खलाना के कुल 42 लोग लाभांवित हुए।

प्राकृतिक खेती

दि. 16.12.2021 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा वर्चूअल मोड़ से देश के किसानों को ''प्राकृतिक खेती'' करने का संदेश दिया। जिसमें भारत के विभिन्न प्रांतों में प्रगतिशील किसानों द्वारा ''प्राकृतिक खेती'' करने वालों से अनुभव भी सांझा किये। कार्यक्रम में विडियो द्वारा जैविक उत्पाद के प्रयोग से होने वाले सुपरिवारों की जानकारी भी किसानों के द्वारा दी गयी। कार्यक्रम का मुख्य संदेश था कम लागत में अधिक उत्पाद प्राकृतिक खेती के जरिये किसान भाई लाभाविन्त हो सकते है। कार्यक्रम में उज्जैन जिले के विभिन्न गाँवों से कुल 194 किसान भाई वर्चूअल मोड के जरिये लाभाविन्त हुये।

स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत दि. 16 से 31 दिसंबर 2021 तक डॉ. आर.पी. शर्मा, वैज्ञानिक एवं प्रमुख के मार्गदर्शन में विभिन्न कार्यक्रम सफलता पूर्वक आयोजित किये गये। जिसमें संस्था प्रमुख ने स्वच्छता को रोजमर्रा के जीवन में शामिल करने की बात कहीं गयी। साथ ही स्वच्छता से होने वाले सकारात्मक परिणामों को भी विस्तृत से समझाया। डॉ. रेखा तिवारी वरिष्ठ वैज्ञानिक ने स्वच्छता की महत्ता को बताते हुए फैमिली नेट वेसल कम्पोस्टिंग से खाद बनाने की विधि भी बताई। डॉ. डी.एस. तोमर ने बेबीनार द्वारा फलस अपशिष्ट को जैविक खाद में परिवर्तित करने के बारे में विस्तृत रूप से बताया। डॉ. एस.के. कौशिक ने डिकम्पोसर के उपयोग से जैविक खाद के बारे में समझाईश दी। श्री डी.के. सूर्यवंशी वैज्ञानिक, फार्म परिसर को स्वच्छ रखने तथा आसपास की साफ-सफाई के बारे में बताया। श्री राजेन्द्र गवली तकनीकी सहायक ने गाय, भैंस के अपशिष्ट से केंचुआ खाद बनाने की विधि बताई। डॉ. मौनी सिंह वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने वैयक्तिक साफ-सफाई के बारे में बताया। श्रीमती गजाला खान वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने कम्प्यूटर संबंधी तकनीकी सहयोग प्रदान किया। संस्था के कलस्टर गाँवों से कुल 400 किसान भाई एवं बहने लाभांवित हुई।

जय जवान जय किसान-उत्तम खेती उन्नत किसान

दि. 23-25 दिसंबर 2021 को जय जवान, जय किसान-उत्तम खेती उन्नत किसान का दिन दिवसीय सफल आयोजन डॉ. आर.पी. शर्मा संस्था प्रमुख के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के जरियें किसानों को उन्नत तकनीकियों, उन्नत बीजों, उन्नत उद्यानिकी की तकनीकियों तथा एकीकृत कृषि प्रणाली के बारे में विस्तृत से बताया। जिसमें संस्था के वैज्ञानिक डॉ. एस.के. कौशिक, डॉ. डी.एस. तोमर, डॉ. रेखा तिवारी, श्री डी.के. सूर्यवंशी, डॉ. मौनी सिंह, श्रीमती गजाला खान, श्री राजेन्द्र गवली द्वारा तकनीकी जानकारियाँ प्रदान की गई तथा श्री अजय गुप्ता, श्रीमती सपनासिंह, श्रीमती रूचिता कनौजिया एवं कु. काजल चौधरी का विशेष सहयोग रहा 3 दिवसीय कार्यक्रम में कुल 123 किसान भाई-किसान बहनें लाभान्वित हुए।

व्यवसायी प्रशिक्षण कार्यक्रम
मौसमी फल एवं सब्जियों का मूल्य संवर्धन

पाँच दिवसीय दि. 20-24 दिसंबर 2021 में व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं को स्वावलंबित बनाने हेतु आयोजित किया गया। डॉ. शर्मा ने महिलाओं को रोजगार परक कार्यक्रमों से स्वावलबन होने हेतु में प्रेरित किया। संयोजक डॉ. रेखा तिवारी ने विपूल मात्रा में उपलब्ध होने वाले इमली, आँवला, निंबू, पपीता, केला तथा आलू आदि के मूल्य संवर्धन पदार्थ बतायें। डॉ. डी.एस. तोमर, डॉ. एस.के. कौशिक, श्री डी.के. सूर्यवंशी, डॉ. मौनी सिंह, श्रीमती गजाला खान, श्री राजेन्द्र गवली तथा कर्मचारियों ने विशेष सहयोग दिया एवं कुल 22 किसान लाभांवित हुए।

जूट रेशों का मूल्य संवर्धन

सात दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ. आर.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में दि. 21-29 दिसंबर 2021 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मौनी सिंह ने जूट तथा उससे बनने वाले उत्पाद प्रात्यक्षिक रूप से बतायें ताकि महिलायें स्वयं का रोजगार स्थापित करके धनार्जन कर सकें। कार्यक्रम में डॉ. डी.एस. तोमर, डॉ. एस.के. कौशिक, डॉ. रेखा तिवारी, श्री डी.के. सूर्यवंशी तथा श्रीमती गजाला खान व श्री राजेन्द्र गवली एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा एवं 17 किसान लाभांवित हुए।

आय उपार्जन हेतु जैविक खाद उत्पादन

20-24 दिसंबर 2021 में संयोजक श्री राजेन्द्र गवली ने जैविक खाद उत्पादन का प्रशिक्षण दिया। जिससे किसान भाई जैविक खाद के साथ धनार्जन कर सकें। सभी वैज्ञानिकों ने विषयानुसार जानकारी दी। जिसमें कुल 22 किसान लाभांवित हुए।

मशरूम उत्पादन से अधिक आय

पाँच दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण दि. 27-31 दिसंबर 2021 में डॉ. आर.पी. शर्मा के नेतृत्व में आयोजित किया। संयोजक श्री डी.के. सूर्यवंशी ने खेती व अन्य व्यवसाय में मशरूम उत्पादन के महत्व को समझाया। डॉ. डी.एस. तोमर ने मशरूम की प्रजातियों के बारे में बताया। डॉ. एस.के. कौशिक ने मशरूम उत्पादन में बरतने वाली सावधानियों के बारे में बताया। डॉ. रेखा तिवारी ने मशरूम की मार्केटिंग एवं डॉ. मौनी सिंह ने मशरूम के व्यंजन बनाने की विधियाँ बताई। श्रीमती गजाला खान ने ऑनलाईन मार्केटिंग के स्त्रोत बतायें। जिसमें कुल 21 किसान लाभांवित हुए।

ग्रीष्म कालीन मूंग की उन्नत खेती

भूमि तैयारी :- रबी की फसलों के काटने के तुरंत बाद खेत की जुताई कर 4-5 दिन छोड़ दें। तत्पश्चात् पलेवा कर के कल्टीवेटर से 2 बार जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा बना लें। इससे नमी भी संरक्षित होगी।

बुवाई :- उज्जैन तथा सम्पूर्ण मालवा में मौसम एवं पानी की उपलब्धता को देखते हुए फरवरी के प्रथम सप्ताह से 15 मार्च तथा मूंग की बोनी कर देना चाहिए। ताकि खरीफ की प्रमुख फसल सोयाबीन की बोनी प्रभावित होगी।

किस्में : टी.जे.एन.-3, एचयूएम-16, एचयूएम-1, पी.डी.एम.-11, पुषा विशाल आदि प्रमुख उन्नत किस्में है ।

बीजदर :- ग्रीष्मकालीन मूंग 25-30 कि.ग्रा./लीटर लेना चाहिए तथा 20-25 से.मी. कतार से कतार तथा पौधे-पौधे की दूरी 8-10 से.मी. रखना चाहिए। बीज 4-5 से.मी. गहरा बोऐं।

उर्वरक :-

N = 20 S = 25
P = 40 ZN = 20 कि.ग्रा./हेक्ट.
K = 20

सिंचाई :- 15 दिन के अंतराल पर प्लेवा के बाद 3-4 सिंचाई मौसम अनुसार देना आवश्यक है।

खरपतवार नियंत्रण :-

खरपतवारनाशी	सक्रिय तत्व	समय
1. पेण्डीमिथिलिन	700 ग्रा./हेक्ट.	0-3 दिन के अंदर
2. इमिजाथायपर	100 ग्रा./हेक्ट.	बुवाई के 20 दिन बाद
3. क्यूजोफाप इथाइल	40-50 ग्रा./हेक्ट.	15-20 दिन बाद

प्रमुख रोग :- पीला मोजेक, सर्कोस्पोरा पर्णदाग, एन्थ्राक्नोज एवं भभूतियाँ प्रमुख रोग है।

नियंत्रण :- बीज उपचार एवं 2-3 वर्ष फसल चक्र अपनायें। प्रमाणित व अनुशंसित किस्म, विषाणुवाहक के नियंत्रण हेतु थायोमेथोक्साम 250 डब्ल्यू.जी., 2 ग्राम/लीटर या ट्राइजोफॉस 2 मि.ली./लीटर का प्रयोग करें । भभूतियाँ रोग की रोकथाम हेतु सल्फर पाउडर 2.5 ग्राम/लीटर का छिड़काव करें।

फफूंदजनित रोगों की रोकथाम हेतु मेन्कोजेब + कार्बनडाजिम 2.5 ग्राम/लीटर का छिड़काव करें।

फसल की कटाई एवं मड़ाई : जब फलियां अच्छी तरह पक जाये तो फलियों की तुड़ाई की जानी चाहिए। इसके साथ पकने वाली किस्में लगाना चाहिए। फलियों की तुड़ाई के बाद अच्छी तरह से सुखाकर मड़ाई करें।

उपज : अच्छी तरह से प्रबंधन की गई फसल से 12-15 क्वि. दानों की उपज प्राप्त कर सकते हैं।

जनवरी माह में किए जाने वाले कार्य

- सरसों में माहु कीट का प्रकोप होने पर डाईमिथोइट 1.5 मिली. को एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- एक सिंचाई उपलब्ध होने की दशा में दलहन फसलों में फूल आने के पूर्व सिंचाई करें।
- गुलाब में इस समय खाद देना चाहिए जिससमें बसंत ऋतु में अच्छे फूल आ सके।
- सरसों व मटर की फसल में दाना बनते समय सिंचाई का विशेष ध्यान रखें।
- **गेहूँ की फसल में सिंचाई के समय शेष युरिया की मात्रा का प्रयोग करें।**
- गेहूँ की फसल में जिंक की कमी के लक्षण ऊपरी पत्तियों में दिखाई देने पर 0.5% जिंक सल्फेट के घोल का पर्णीय छिड़काव करें।

फरवरी माह में किए जाने वाले कार्य

- गेहूँ फसल में कन्से तथा गांठ बनने की अवस्था में सिचाई करें।
- हरे चारे (बरसीम या लुसर्न) को सुखाकर ''हे'' तैयार करें।
- **नर्सरी तैयार करते समय भूमि एवं बीजों को फफूँदनाशक कार्बोन्डिज्म/थायरम+कार्बोक्जिल/ट्रायकोडर्मा बिरड़ी से उपचारित करें।**
- मिर्च के फसल की नर्सरी तैयार करें।
- ग्रीष्मकालीन मूंग/तिल की बुवाई करें। मूंग में पिला मोजेक निरोधक जातियों का प्रयोग करें।
- आलू में पछेती अंगमारी रोग आने पर मेटालेक्जिल 2.5 ग्राम दवा **एक लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें।**
- ग्रीष्म कालीन मौसमी पुष्पों के पौधों की रोपाई करें।
- फल वृक्षों की सूखी टहनियों को काटकर जला दे तथा कटे स्थान पर फफूंदनाश्क दवा का पेस्ट लगा दें।

मार्च माह में किए जाने वाले कार्य

- भण्डारण में नमी 12% से ज्यादा नहीं रहे।
- फसल कटने के बाद यदि खेत में नमी हो तो खाली खेत की जुताई करें।
- गेहूँ, चना, मटर आदि फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज प्राप्त करने हेतु आंवछनीय पौधों को बाहर निकाल दें।
- बैगम मिर्च की ग्रीष्मकालीन फसल हेतु नर्सरी की तैयारी अवश्य सुनिश्चित कर लें।
- पशुओं को कृमिनाशक दवा अवश्य पिलाएं एवं दुधारू पशुओं को केल्शियम एवं खनिज मिश्रण का प्रयोग करें।
- पशुओं के खुरपका मुँहपका रोग के टीके लगवाएँ।
- एमपी चरी की बुवाई करें।

संपर्क सूत्र-कृषि विज्ञान केन्द्र रा.वि.रा.सि.कृ.वि.वि.

विक्रम नगर रेल्वे स्टेशन के सामने, उज्जैन (म.प्र.) 0734-2922071

बुक-पोस्ट

प्रति,_____

प्रेषक :

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख

कृषि विज्ञान केन्द्र, विक्रम नगर रेल्वे स्टेशन के सामने,

उज्जैन (म.प्र.) 465 010